**भूमि क्रय करने के विनिर्दिष्ट अनुपालन के लिए वाद**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**ऊपर नामित किया गया वादी निम्नलिखित रूप में अतिसादर पूर्वक निवेदन करता है -**

1. तारीख ............................. को वादी एवम् प्रतिवादी पारस्परिक तौर पर यह करार किये कि वादी को प्रतिवादी को विक्रय करना चाहिए और प्रतिवादी को ............................. रुपये में ........................... के गाँव में चालीस बीघे भूमि वादी से क्रय करना चाहिए।
2. तारीख............................................ को सम्पत्ति तब पूर्ण स्वामी होने वाला तथा उन सबी विल्लगयों से स्वतंत्र होने वाला वही जिसको प्रतिवादी के समक्ष हाजिर करने के लिए प्रस्तुत किया गया, करार पायी गयी रकम के प्रतिवादी द्वारा संदाय पर उसके अंतरण का एक पर्याप्त लिखत प्रतिवादी को पेश किया या पर्याप्त लिखत द्वारा प्रतिवादी को अंतरित करने के लिए तैयार था और इच्छा कर रहा था और अभी भी तैयार है एवम् इच्छा कर रहा है तथा प्रस्ताव किया।
3. वादी उपर्युक्त भूमि हेतु प्रस्तावित क्रय के प्रतिफल में धन सहित 10 बजे पूर्वाह जिला ...................................... की उपरजिस्ट्री को पेश करने के लिए तारीख .......................................... को प्रतिवादी द्वारा प्राप्त की गयी एक रजिस्ट्रीकृत नोटिस दिनांकित ........................................... दिया तथा उपर्युक्त सम्यक मूल्य के भुगतान पर वादी द्वारा यथा निष्पादित की गयी सम्यक रूप से विक्रय विलेख को रजिस्ट्रीकृत करवाया। लोकन उपर्युक्त दिन को 4 बजे पूर्वाह तक उपरजिस्ट्रार के कार्यालय में हाजिर नहीं हुआ यद्यपि वादी उसकी हाजिरी तथा उपर्युक्त उपरजिस्ट्रार की उपस्थिति के तथ्य की सूचना देने के पश्चात् 10 बजे पूर्वाह्न से 4 बजे अपराह तक वहां हाजिर रहा।
4. वाद हेतूक दिनांक ..................20. . . . . . . . . . . . . . . . . . को तब उत्पन्न हुआ जब प्रतिवादी नोटिस दिये जाने के पश्चात भी उप निबंधक के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ तथा करार किये गये खरीद मूल्य का भुगतान करना था न्यायालय को वाद ग्रहण करने की अधिकारिता है।
5. वाद का मूल्यांकन उपर्युक्त भूमि की प्रस्तावित एवम् करार पायी गयी विक्रय मूल्य ....................... रुपये पर किया जाता है और न्यायालय फीस के प्रयोजनार्थ ....................रुपये या न्यायालय फीस का उस पर संदाय किया जाता है।

**दावाकृत अनुतोष :**

इस वाद के रूप में दावाकृत अनुतोष निम्नलिखित रूप में है :

1. प्रतिवादी को भूमि का मूल्य वादी को रुपये का भुगतान करने के लिए के आज्ञापक व्यादेश जारी करके निर्देशित किया जाय; और उप रजिस्ट्रार के कार्यालय से विक्रय विलेख को रजिस्ट्रीकृत करवाया जाय।
2. एक उचित दर पर विक्रय मूल्य की रकम पर ब्याज वादी को अधिनिर्णीत किया जाय।
3. वाद का खर्च वादी को दिया जाय।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी